शब्द-विचार

(Morphology)

वर्णों से मिलकर बने सार्थक वर्ण-समूह को **शब्द** कहते हैं। जैसे–

चाँद

पहाड़

मनुष्य

यहाँ तीन शब्द दिए गए हैं। प्रत्येक शब्द का अर्थ समझ में आ रहा है, अतः ये सभी शब्द सार्थक हैं। शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित चार प्रकार से किया जाता है–

1. **रचना** या **बनावट** के आधार पर
2. **उत्पत्ति** के आधार पर
3. **अर्थ** के आधार पर
4. **वाक्य-प्रयोग** के आधार पर

1. रचना या बनावट के आधार पर शब्द-भेद

रचना या बनावट के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

क. मूल या रूढ़ शब्द– जो शब्द खंड करने पर अर्थहीन हो जाते हैं, उन्हें **मूल शब्द** या **रूढ़ शब्द** कहते हैं। ये शब्द परंपरा से एक निश्चित अर्थ बताते हैं; जैसे– कमरा शब्द का अर्थ कक्ष है, पर इसके खंडों में क, म, रा का अलग-अलग कोई अर्थ नहीं है। इसी प्रकार ककड़ी, महल, सोना, लड़की आदि शब्द मूल या रूढ़ शब्द कहे जाएँगे।

ख. व्युत्पन्न शब्द– दो शब्दों या शब्दांशों के योग से बने हुए शब्द **व्युत्पन्न शब्द** होते हैं। इन शब्दों के खंड सार्थक होते हैं। व्युत्पन्न शब्द दो प्रकार के हैं–

i) यौगिक– वह शब्द जो एक से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं और जिनके खंडों का अर्थ होता है, **यौगिक शब्द** कहलाते हैं। ये शब्द उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास के नियमों से बनते हैं।

ii) योगरूढ़– ये शब्द भी यौगिक शब्दों से ही बने हैं, पर इनके अर्थ परंपरा से प्राप्त होते हैं। जैसे– लंबोदर का सामान्य अर्थ है लंबा है उदर जिसका। पर लंबे पेट वाले को लंबोदर नहीं कहा जाता। वह गणेश जी के अर्थ में रूढ़ हो गया है। इसी प्रकार जलज, दशानन, दिनकर, नीलकंठ आदि शब्द हैं।

2. उत्पत्ति के आधार पर शब्द-भेद

उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–

क. तत्सम ख. तद्भव ग. देशज घ. विदेशज

क. तत्सम शब्द– संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी में अपने मूल रूप में प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें **तत्सम शब्द** कहा जाता है। जैसे– आम्र, अग्नि, जल, दुग्ध आदि।

ख. तद्भव शब्द– हिंदी में जो शब्द संस्कृत से आए और वे बाद में बिगड़कर नए रूप में आ गए, उन्हें **तद्भव शब्द** कहा जाता है। जैसे- आम, आग, पानी, दूध आदि।

ग. देशज शब्द– ऐसे शब्द जो न तो संस्कृत से आए हैं, न किसी संस्कृत शब्द से बिगड़कर बने हैं, बल्कि हिंदी प्रदेशों में बोलचाल से बने हैं, उन्हें **देशज शब्द** कहा जाता है। जैसे– लड़का, चिड़िया, खिड़की, जूता, डिब्बी, झोंपड़ी, आला आदि।

Scanned with CamScanner

घ. **विदेशी**– हिंदी में ऐसे बहुत से शब्दों का प्रयोग हो रहा है जो किन्हीं दूसरे देशों की भाषाओं में प्रयुक्त होते हैं। ऐसे शब्दों को **विदेशी शब्द** कहा जाता है। जैसे– अलमारी, गमला, चम्मच, स्कूल, पिन आदि।

उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के उपरोक्त भेदों का अध्ययन करने के बाद आइए कुछ तत्सम-तद्भव शब्दों पर नज़र डालें–

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
अग्र	अगला
अश्रु	आँसू
अद्य	आज
उष्ट्र	ऊँट
उलूक	उल्लू
कर्ण	कान
कर्पूर	कपूर
दुग्ध	दूध
कार्य	काम
गर्दभ	गधा
नयन	नैन
चक्र	चक्कर
सूर्य	सूरज
मृत्यु	मौत
निद्रा	नींद
दधि	दही
दंत	दाँत
पद	पैर
पत्र	पत्ता
मित्र	मीत

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
श्वेत	सफ़ेद
रात्रि	रात
श्रावण	सावन
बधिर	बहरा
मुख	मुँह
जिह्वा	जीभ
कर्ण	कान
मयूर	मोर
पीत	पीला
सुपुत्र	सपूत
घृत	घी
धैर्य	धीरज
चंद्र	चाँद
तृण	तिनका
रात्रि	रात
शत	सौ
कर्म	काम
स्वर्ण	सोना
लक्ष	लाख
हस्त	हाथ

हिंदी में प्रयुक्त कुछ विदेशी शब्द–

i) **अरबी शब्द**– अक़्ल, आदत, औरत, अमल, अज़ीब, इलाज़, इमारत, इशरत, ईमान, किस्सा, इज़्ज़त, किताब, रहम, करम, किस्मत, जलसा, ज़नाब, जुल्म, मुज़रिम इत्यादि।

ii) **फ़ारसी शब्द**– आवारा, आराम, आतिश, आबरू, कमरबंद, किनारा, गिरफ़्तार, गिरह, ज़ादू, जुरमाना, नौजवान, बेवा, ज़हर, रंग, हफ़्ता, सूद, मुफ़्त, आमदनी इत्यादि।

iii) **अंग्रेज़ी**– इंजन, ड्राईवर, स्कूल, ऑफ़िसर, डॉक्टर, स्टेशन, टेलीफ़ोन, रेडियो, बैंक, सिनेमा, हॉस्पिटल, रेल, लॉटरी, सर्कस, बैंड, स्विच, बटन इत्यादि।

iv) **पुर्तगाली शब्द**– आलपिन, अलमारी, बाल्टी, फ़ीता, फ़ालतू, साबुन, तंबाकू, तौलिया, चाबी, अनन्नास इत्यादि।

v) **तुर्की शब्द**– तोप, बेगम, कुली, चिक, चेचक, सरदार, बहादुर, मुगल, तमगा, कालीन, चकमक इत्यादि।

Scanned with CamScanner